आई सी ए आर - भारतीय गेहूं एवं जौ अनुसंधान संस्थान, करनाल

प्रमुख सलाह (अप्रैल, 16-30, 2026)

भारत के सभी क्षेत्रों में गेहूं संबंधित पद्धतियाँ

फसल मौसम 2025-26

1. गेहूं की फसल अधिकांशतः पककर तैयार हो चुकी है; अतः समय पर कटाई सुनिश्चित करें और संभावित वर्षा व तेज हवाओं से होने वाले नुकसान से बचाने के लिए कटी हुई उपज को सुरक्षित रखें। पक चुकी फसल में सिंचाई न करें तथा गिरी हुई फसल की कटाई को प्राथमिकता दें।
2. किसानों को सलाह दी जाती है कि वे भण्डारण के समय उचित नमी (12-13%) सुनिश्चित करें और सुरक्षित भंडारण के लिए आवश्यक सफाई करें। अनाज के भंडारण से पहले बीज के डिब्बे (बॉक्स) को अच्छी तरह से धूप में सुखा लें और सुनिश्चित करें कि भंडारण डिब्बे सभी प्रकार के कीड़ों/पतंगों से मुक्त हों।
3. भंडारण से पहले दानों को अच्छी तरह सुखाएं ताकि नमी सुरक्षित स्तर (<10%) पर बनी रहें। पुराने बीज या अनाज के साथ नये बीज या अनाज को न रखें। भंडारण करने से पहले यह जांच कर लेना चाहिए कि नये बीज में कीड़ा लगा है या नहीं। यदि लगा है तो भंडार गृह में रखने से पूर्व उसे एल्युमिनियम फॉस्फाइड द्वारा प्रधूमित (फ्यूमीगेशन) कर लेना चाहिए। ऐसे बीज जिनकी बुआई अगली फसल के बीजने तक निश्चित हो, उनको कीटनाशी जैसे 6 मि.ली. मैलाथियान या 4 मि.ली. डेल्टामेथ्रिन को 500 मि.ली. पानी में घोलकर एक क्विंटल बीज की दर से उपचारित करें एवं छाया में सुखाकर भण्डारण पात्र में रख लें।
4. भंडारण को कीट मुक्त रखने के लिए बीजों को एल्युमिनियम फॉस्फाइड की दो से तीन गोलियां (प्रत्येक 3 ग्रा.) प्रति टन बीज के हिसाब से 7 से 15 दिन के लिए प्रधूमित करें । ऐसा प्रधूमन भण्डार में रखने के तुरंत बाद करें। प्रधूमित कक्ष खोलने के बाद जब गैस बाहर निकल जाए तो उसी दिन या अगले दिन 40 मिली मैलाथियान, 38 मि.ली. डेल्टामेथ्रिन या 15 मि.ली. बाइफेंथ्रिन प्रति ली. पानी के हिसाब से मिलाकर बोरियों के उपर छिड़काव कर देना चाहिए।
5. गेहूं की कटाई के बाद बची हुई फसल के अवशेषों को जलाना नहीं चाहिए तथा अवशेषों के साथ ही मूंग की फसल को बिना जुताई के बोना बेहतर होगा, इससे मिट्टी की उर्वरता बढ़ेगी।

(रतन तिवारी) 15/4/26

निदेशक